"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर, संचालित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अँन्ड कॉमर्स कॉलेज,

इचलकरंजी

# हिंदी विभाग

# ग्रामीण पत्रकारिता

(सर्टिफिकेट कोर्स)

2021-2022

# अनुमति पत्र

हिंदी विभाग,
डी.के.ए.एस्.सी.कॉलेज,
इचलकरंजी।
दि.12/10/2021

प्रति,

मा. प्राचार्य,

डी.के.ए.एस्.सी.कॉलेज,

इचलकरंजी।

विषय: ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स शुरू करने की अनुमति मिलने हेतु.....

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार, हिंदी विभाग की ओर से बी.ए.(हिंदी) के छात्रों के लिए 'ग्रामीण पत्रकारिता' कोर्स दि.18/10/2021 से 18/01/2022 तक शुरू करने का आयोजन किया गया है। अत: आप हमें यह कोर्स शुरू करने की अनुमति प्रदान करें।

धन्यवाद सहित!

12/10/2021

ICHALKARANJI

(डॉ. [illegible] बंद्र)
HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

12/10/2021

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापुर संचलित

## दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

### हिंदी विभाग (2021-2022)

### ग्रामीण पत्रकारिता

---

### अनुमति पत्र

तिथि:- 13/10/2021

प्रति,
मा. प्राचार्य,
डी.के.ए.एस.सी.कॉलेज,
इचलकरंजी

**विषय : ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स के अध्ययन मंडल (B.O.S.) को अनुमती मिलने हेतु.....**

महोदय,

उपरोक्त विषय के अनुसार हिंदी विभाग की ओर से बी.ए. भाग 3 (हिंदी)के छात्रों के लिए दि. 18/10/21 से 18/01/22 तक 90 घंटो का **'ग्रामीण पत्रकारिता' प्रमाणपत्र कोर्स** शुरू करने का आयोजन किया गया है। अत: प्रस्तुत कोर्स के लिए हमारे विभाग ने निम्नलिखित अध्यापाकों का अध्ययन मंडल (B.O.S.) स्थापित करने का आयोजन किया है।

**अध्यक्ष :- डॉ. सुनील बेंद्रे (संयोजक)**
**सदस्य :- प्रा. अंजली उबाळे (सहसंयोजक)**
**सदस्य :- प्रा. अर्चना तराळ**
**विशेषज्ञ :- डॉ. दिपक रामा तुपे सहा.प्राध्यापक विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर**
**विशेषज्ञ :- प्रा. सुधाकर कल्लाप्पा इंडी सहा.प्राध्यापक श्रीमती आक्काताई रामगौंडा पाटील कन्या महाविद्यालय,इचलकरंजी**

उम्मीद है कि, आप हमें इस अध्ययन मंडल (B.O.S.) के लिए अनुमति प्रदान करेंगे।

सधन्यवाद!

(डॉ. सुनील बेंद्रे)
HEAD
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापुर संचलित

## दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अ‍ॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

### हिंदी विभाग शैक्षिक वर्ष (2021-2022)

### ग्रामीण पत्रकारिता

### अध्ययन मंडल

| अ.न. | सदस्य का नाम | पता |
|---|---|---|
| 01 | डॉ.सुनील बापू बंडे | हिंदी विभागाध्यक्ष दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अ‍ॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी |
| 02 | प्रा. अंजली महेश उबाळे | दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अ‍ॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी |
| 03 | प्रा. अर्चना वसंत तराळ | दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अ‍ॅन्ड कॉमर्स कॉलेज इचलकरंजी |
| 04 | डॉ. दिपक रामा तुपे | सहा.प्राध्यापक विवेकानंद कॉलेज कोल्हापुर |
| 05 | प्रा. सुधाकर कल्लाप्पा इंडी | सहा.प्राध्यापक श्रीमती आक्काताई रामगौंडा पाटील कन्या महाविद्यालय,इचलकरंजी |

(डॉ. [illegible])

HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार" – शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर संचलित

# दत्ताजीराव कदम आर्टस्, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी.

ता. हातकणंगले, जि. कोल्हापूर – ४१६ ११५ दूरध्वनी: कार्यालय : (०२३०) २४२० ४९२
प्राचार्य : (०२३०) [illegible] E-Mail: dkasccollege@gmail.com Website: www.dkasc.ac.in
(शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर निगडित संलग्नित – [illegible]) Index No. 1-23.06.001

संस्थापक शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे डी.लिट. | अध्यक्ष मा. चंद्रकांत दादा पाटील उच्च व तंत्र शिक्षण मंत्री, महाराष्ट्र राज्य | कार्याध्यक्ष प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे एम.ए. | सचिव प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे एम.एससी., बी.एड. | प्राचार्य डॉ. [redacted]

जा.क्र. डीकेएएससी / [illegible]

दि. 15/10/21

प्रति,

डॉ. दिपक तुपे

सहाय्यक प्राध्यापक,

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर,

विषय :- अध्ययन मंडल सदस्य(B.O.S.) के रूप में नियुक्त किए जाने हेतु....।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से बी. ए. भाग 3 के छात्रों के लिए दि.18/10/21 से 18/01/22 तक 'ग्रामीण पत्रकारिता' प्रमाणपत्र कोर्स शुरू किया जा रहा है। जिसमें आपको अध्ययन मंडल सदस्य(B.O.S.) के रूप में नियुक्त करने का आयोजन किया गया है। अतः आपसे अनुरोध है कि, आप हमारा यह आमंत्रण स्वीकार करके छात्रों को मार्गदर्शन करें।

सधन्यवाद !

(डॉ.व्ही.एस.ढेकळे)

प्राचार्य,

डी.के.ए.एस.सी. कॉलेज,

इचलकरंजी.

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षणप्रसार" - शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर संचलित

**दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज,**
**इचलकरंजी.**

ता. हातकणंगले, जि.कोल्हापूर - ४१६ ११५ दूरध्वनी: कार्यालय : (०२३०) २४३० ४९२

प्राचार्य : (०२३०) [illegible] E-Mail: dkasccollege@gmail.com Website : www.dkasc.ac.in

(शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर यांचेशी संलग्नित - [illegible])

नवे कॉलेज-शासन आदेश क्रमांक - [illegible] Index No. J-23.06.001

संस्थापक शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे डी.लीट | अध्यक्ष मा. चंद्रकांत दादा पाटील उच्च व तंत्र शिक्षण मंत्री, महाराष्ट्र राज्य | कार्याध्यक्ष प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे एम.ए. | सचिव प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे एम.एस्सी., बी.एड. | आचार्य डॉ. [redacted] एम.एस्सी., बी.एड.डी.

जा.क्र. डीकेएएससी/ 545 दि. 13/10/21

प्रति,

प्रा.सुधाकर इंडी

सहाय्यक प्राध्यापक,

श्रीमती आक्काताई रामगौंडा पाटील कन्या कॉलेज,

इचलकरंजी,

विषय :- अध्ययन मंडल सदस्य(B.O.S.) के रूप में नियुक्त किए जाने हेतु....।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से बी. ए. भाग 3 के छात्रों के लिए दि.18/10/21 से 18/01/22 तक 'ग्रामीण पत्रकारिता प्रमाणपत्र कोर्स शुरू किया जा रहा है। जिसमें आपको अध्ययन मंडल सदस्य(B.O.S.) के रूप में नियुक्त करने का आयोजन किया गया है। अतः आपसे अनुरोध है कि, आप हमारा यह आमंत्रण स्वीकार करके छात्रों को मार्गदर्शन करें।

सधन्यवाद !

Dekale

(डॉ. व्ही.एस. ढेकळे)

प्राचार्य,

डी.के.ए.एस.सी. कॉलेज,

इचलकरंजी.

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापुर संचलित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

# हिंदी विभाग

## ग्रामीण पत्रकारिता

2021-2022)

---

दि.09 अक्तूबर 2021

# नोटिस

'ग्रामीण पत्रकारिता' प्रमाणपत्र कोर्स अध्ययन मंडल(B.O.S.) के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि, सोमवार दिनांक **11 अक्तूबर 2021** को सुबह ठिक 11.00 बजे हिंदी विभाग में **ग्रामीण पत्रकारिता प्रमाणपत्र कोर्स** के संदर्भ में बैठक का आयोजन किया गया है, अतः आप सभी ठिक समय पर उपस्थित रहें।

**बैठक में निम्नलिखित मद्दों पर चर्चा की जाएगी :-**

1) ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स का पाठ्यक्रम निर्धारित किया जाएगा।

1) ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स पाठ्यक्रम की समय सारणी बनाई जाएगी।

2) अध्यापकों का चयन किया जाएगा।

3) छात्रों को नोटिस जारी किया जाएगा।

(डॉ.सुनील बेंद्रे)
HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

(डॉ.व्ही.एस.ढेकळे)
प्राचार्य,
दी.के.ए.एस.सी. कॉलेज,
इचलकरंजी.

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापुर संचलित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

## हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2021-2022

---

दि.11अक्तूबर 2021

## बैठक का इतिवृतांत

दि. 11 अक्तूबर 2021 को **'ग्रामीण पत्रकारिता'** प्रमाणपत्र कोर्स पाठ्यक्रम की बैठक का इतिवृत्तांत इस प्रकार है :- प्राचार्य डॉ.व्ही.एस.ढेकळे जी की अध्यक्षता में सपन्न बैठक में प्रा.डॉ. सुनील बेंद्रे, प्रा.अंजली उबाळे,प्रा.अर्चना तराळ, डॉ.दीपक तुपे और प्रा.सुधाकर इंडी उपस्थित थे।

**बैठक में निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गए।**

1) ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स का पाठ्यक्रम का प्रस्ताव पारित किया।

2) ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स पाठ्यक्रम की समयसारणी निर्धारित की गई।

3) अध्यापको का चयन किया गया।

4) छात्रो को नोटिस जारी करना तय हुआ।

.....

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापुर संचलित

# दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

## हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2021-202

## ग्रामीण पत्रकारिता

---

➢ कोर्स में शामिल अध्यापक :

यह ब्रिज कोर्स बी.ए.(हिंदी)के छात्रों के लिए बनाया है। इसमें समाचार लेखन,पत्रकारिता,संपादन कला,सूचना अधिकार कानून का ज्ञान दिया गया है। इस कोर्स में आवश्यकतानुसार पॉवर पाईंट प्रेजेंटेशन कॉलेज सभागृह में किया जाएगा। साथ ही आई.सी.टी.का प्रयोग भी किया जाएगा।

| अनु.क्र. | अध्यापक का नाम | पदनाम | विशेष योग्यता |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. एस. बी. बेंद्रे | सहायक प्राध्यापक | गद्य साहित्य |
| 2. | प्रा. ए. एम. उबाळे | सहायक प्राध्यापक | प्रयोजनमूलक हिंदी |
| 3. | प्रा.ए.व्ही.तराळ | सहायक प्राध्यापक | पत्रकारिता |
| 4. | डॉ. डी. आर. तुपे | सहायक प्राध्यापक | प्रिंट इलेक्ट्रोनिक |
| 5. | प्रा. एस. के. इंडी | सहायक प्राध्यापक | वेब मीडिया |

(डॉ.एस.बी.बेंद्रे)
HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर संचालित

# दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स ॲन्ड कॉमर्स कॉलेज,

## इचलकरंजी

## हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2021-2022

---

दि. 14/10/2021

# नोटिस

महाविद्यालय के बी.ए. (हिंदी) के छात्रों को सूचित किया जाता है कि, वर्ष 2021-2022 से 'ग्रामीण पत्रकारिता' कोर्स शुरू किया जा रहा। 18 अक्तूबर से यह कोर्स शुरू होगा। इच्छुक छात्र ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स में प्रवेश कर सकते हैं।

डॉ.सुनील बेंद्रे
HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

for डॉ.व्ही.एस्.ढेकळे
Principal,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

DATTAJIRAO KADAM A.S.C. COLLEGE ICHALKARANJI

# ग्रामीण पत्रकारिता

**प्रस्तावना:**

पत्रकारिता का प्रभाव समाज पर लगातार बढता जा रहा है। पत्रकारिता आज मानव जीवन की धडकन बन गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के युग में दिन-ब-दिन पत्रकारिता की भूमिका अहम् बनती जा रही है। प्रिंट मीडिया से लेकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- वेब मीडिया तक इसका स्वरूप विकसित हो चुका है। समता, मानवता, बंधुता, वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा साकार करने में इसकी अहम् भूमिका रही है। साहित्यिकता के साथ-साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में बढते अवसरों तथा इस क्षेत्र की लोकप्रियता को देखते हुए कई लोग इसे अपना करियर बनाना चाहते हैं। मीडिया की चमक-दमक से मुग्ध होकर लडके-लडकियों की फौज इसमें आने के लिए आतुर है। बिना किसी तैयारी के ज्यादातर नवांकुर पत्रकार इसमें फिसड्डी साबित होते हैं। इस आकांक्षा की पूर्ती हेतु देहाती छात्रों के लिए इसका अध्ययन आज अनिवार्य हो गया है। इस दृष्टि से यह ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स शुरू किया जा रहा है।

**पाठ्यक्रम:-**

इकाई 1 प्रिंट पत्रकारिता

- पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार
- हिंदी पत्रकारिता का आरंभ
- हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- पत्रकारिता का महत्व
- पत्रकारिता का प्रबंधन

इकाई 2 संपादन एवं संवाददाता

- समाचार लेखन के मुल तत्व-समाचार संकलन के विविध स्रोत और लेखन के विविध आयाम
- संपादन कला के सामान्य सिद्धांत-शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख, प्रुफ संशोधन
- संवाददाता का महत्व, अर्हता, योग्यता

DATTAJIRAO KADAM A. S. C. COLLEGE ICHALKARANJI

- पत्रकारिता से संबंधित लेखन-फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, विज्ञापन, खोजी समाचार

इकाई 3 इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता

- रेडियो पत्रकारिता
- दूरदर्शन पत्रकारिता
- वेब पत्रकारिता

इकाई 4 सूचनाधिकार और पत्रकारिता

- प्रेस संबंधी कानून तथा आचारसंहिता
- सूचना अधिकार और मानवाधिकार
- चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

इकाई 5 वृत्तांत लेखन: प्रशिक्षण

- महाविद्यालयीन समारोह का वृत्तांत लेखन
- सामाजिक समारोह का वृत्तांत लेखन
- प्राकृतिक आपदाओं का वृत्तांत लेखन
- दुर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार मराठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

**दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी**

**हिंदी विभाग**

शैक्षिक वर्ष **2021-2022**

# ग्रामीण पत्रकारिता कोर्स

**प्रस्तावना:-**

वस्तुत: पत्रकारिता के क्षेत्र में बढते अवसरो और इस क्षेत्र की लोकप्रियता के चलते कई लोग इसे अपना करियर बनाना चाहते है। पत्रकारिता का प्रभाव समाज पर लगातार बढता जा रहा है। पत्रकरिता की चमक-दमक से मुग्ध होकर लडके- लडकीयो की फौज इसमे आने के लिए आतुर है। बिना किसी तैयारी के जादातर नावांकुर पत्रकार अपने आर्थिक भविष्य का मुल्यांकन नही कर पाते। पत्रकारिता कोर्स हिंदी समाचारपत्रो, पत्रिकाओ , टी. व्ही. और रेडिओ चायनाल, वेबसायटो आदि पाठ्यक्रम के प्राथमिक ध्यान केंद्रित करणे के लिए कुशल और प्रशिक्षित पेशेवर मीडिया के लोगो की बढती जरुरत को पुरा करने के लिए शुरू किया जा रहा है। हिंदी भाषा का यह प्रयोजनीय पक्ष छात्र और छात्राओ को रोजगार के अवसरो को परिचित काराने हेतु उपयोगी होगा।

**उदेश्य :-**

पत्रकारिता का क्षेत्र उत्साहपूर्व एवं चुनौती भर क्षेत्र है -जिसमे प्रवेश आजीविका की व्यवस्था होती है वही सन्मान भी मिळता है वर्तमान में हर व्यक्ति यह जानने का इच्छुक रहता है कि कहा, क्या हो रहा है, राजनीतिक

हलचल किस दौर में है, मंहगाई व शेरबाजार कैसी स्थिति में है, सरकार की कार्यप्रणाली व गतीविधिया क्या है आदि इसके लिए समाचारपत्र, टी. व्ही. इंटरनेट, रेडिओ आदि की मदतगार होते है विश्व, देश तथा प्रदेशो में विभिन्न भाषाओ के दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचारपत्र- पत्रिकाओ का प्रकाशन हो रहा है और उनमे भी एक-दुसरे से आगे बढने की होड है यदि किसी समाचार पत्र-पत्रिका के पास अनुभवी और परिश्रमी स्टाफ होगा -उतनी ही जादा पाठको में पैठ तथा विश्वस्नियता बनायेगा अलग-अलग विषयो पर नवीनतम जानकारी देने के लिए समाचार पत्र-पत्रिका समूह को पत्रकरो की आवश्यकता रहती है इस प्रकार प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और वेब मिडिया में रोजगार के अवसर है इसलिए यह कोर्स बी. ए. (हिंदी) के छात्र-छात्राओ के लिए आयोजित किया जा रहा है छात्रो में लेखन-कौशल्य विकसित होगा पत्रकारिता क्षेत्र में करियर चुनने में मदत होगी और उनके गुणो में निखार आएगा छात्रो के व्यक्तित्व विकास एवं करियर चुनने की दृष्टि यह कोर्स महत्त्वपूर्ण है, जिसके

**उद्देश्य निम्नलिखित है**

1) पत्रकारिता के गुढ सिखाना ।
2) समाचार लेखन की विधी अवगत कराना ।
3) संपादन कार्य से परिचित कराना।
4) छात्रो का ज्ञानार्जन कराना।
5) छात्र हिंदी भाषा के रोजगारन्मुख पक्ष से अवगत होंगे ।

.....

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

# दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

## हिंदी विभाग- 2021-22

## COC कोर्स (ग्रामीण पत्रकारिता)

## 18 अक्टूबर, 2021 से 18 जनवरी, 2022

| Sr. No. | Roll No. | Name Of Students | sign |
|---|---|---|---|
| 1 | 4052 | BARTAKKE ALAKNANDA CHANDRAKANT | |
| 2 | 4053 | BOLAYKAR HARSHAD PADMAKAR | |
| 3 | 4054 | DESAI SUHANA GANI | |
| 4 | 4055 | GANJAVE OMKAR SUDHAKAR | |
| 5 | 4056 | KADAM AKSHAY SHIVAJI | |
| 6 | 4057 | KAMBLE NILESH NARAYAN | |
| 7 | 4058 | KAMBLE PAVAN UMESH | |
| 8 | 4059 | KAROSHI SUNIL UTTAM | |
| 9 | 4060 | MALAGE RUTVIK ANANDA | |
| 10 | 4061 | MANE PARASHRAM ANANDA | |
| 11 | 4062 | MULLA SAMEER RAMJAN | |
| 12 | 4063 | NAGARKAR PRATIK DINESH | |
| 13 | 4064 | PAGADE PRATHAMESH JITENDRA | |
| 14 | 4065 | SHAIKH RUKAIYYA KALANDAR | |
| 15 | 4066 | SHEKH FIROZ GOUS | |
| 16 | 4067 | SHENWADE ANIKET SUBHASH | |
| 17 | 4133 | GIRIBA SWAPNIL VIDYASAGAR | |
| 18 | | PATIL PRATIK HINDURAO | |
| 19 | 4134 | BALLARI ANJALI VINAYAK | |

[Dr. S. B. Bendre]

**HEAD,**
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

''ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार''
- शिक्षण महर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर, संचलित

**दत्ताजीराव कदम आर्टस, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी.**

ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर - ४१६ ११५

स्थापना : जून १९६२

फोन नं. (०२३०) २४२०४१२, फॅक्स - (०२३०) २४२८५५१

(शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर शिवाय संलग्नित - ॲफि/टी-3/४०४९, दि. १०/७/१९९१)

नॅक मानांकन - ''ब'' श्रेणी

• ई-मेल : dkasccollege@gmail.com, ich38.dkasc@unishivaji.ac.in • Website : www.dkasc.ac.in

संस्थापक, संकल्पक : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

अध्यक्ष : मा. चंद्रकांत (दादा) पाटील, मा. महसूल राज्य मंत्री, महाराष्ट्र राज्य

कार्याध्यक्ष : प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे, एम. ए.

सेक्रेटरी : प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे, एम.एस्सी. बी.एड.

प्र. प्राचार्य : डॉ. डी. एस. डेंकडे


संदर्भ क्र. : DKASC / /2021-2022 दिनांक : 14/01/2022

# निमंत्रण पत्र

प्रति,

डॉ. दिपक तुपे
सहाय्यक प्राध्यापक,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.

विषय :- उद्घाटक के रूप में उपस्थित रहने हेतु.....

महोदय,

महाविद्यालय के हिंदी तथा मराठी विभाग की ओर से बी. ए. भाग तीन के छात्रों के लिए 'ग्रामीण पत्रकारिता' कोर्स दि. 18/10/2021 से 18/01/2022 तक शुरू करने का आयोजन किया गया है । अत:आपसे अनुरोध है कि, आप हमारा आमंत्रण स्विकार कर, उद्घाटक के रूप में उपस्थित रहकर प्रस्तुत समारोह का उदघाटन अपने शुभ हाथो से करके 'पत्रकारिता एवं मुद्रितशोधन' इस विषय पर हमारे छात्रों को मार्गदर्शन करें।

सधन्यवाद !

आपका विश्वासु

**HEAD,**
**Department of Hindi**
**D.K.A.S.C. College,**
**Ichalkaranji.**

DATTAJIRAO KADAM A. S. C. COLLEGE ICHALKARANJI

"ज्ञान,विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचालित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

# हिंदी विभाग (2021-22)

## 'ग्रामीण पत्रकारिता' प्रमाणपत्र कोर्स

---

## समारोह पत्रिका

दिपप्रज्वलन /प्रतिमा पूजन : मान्यवरों के करकमलों से

स्वागत / प्रास्ताविक : प्रा. डॉ. सुनील बेंद्रे

(हिंदी विभाग प्रमुख डी .के.ए.एस.सी.महाविद्यालय,इचलकरंजी)

अतिथि परिचय : प्रा.अंजली उबाळे

प्रमुख अतिथि मंतव्य : 1) दिपक रामा तुपे विवेकानंद महाविद्यालय,कोल्हापूर

अध्यक्षीय मंतव्य : डॉ.व्ही.एस.ढेकळे प्रधानाचार्य डी .के.ए.एस.सी.महाविद्यालय,इचलकरंजी

सूत्रसंचालन : प्रा. विश्वंभर कुलकर्णी

आभार : प्रा. अर्चना तराळ

स्थान : कॉलेज सभागृह समय : सुबह 11:00

''ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार''
– शिक्षण महर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे



श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर, संचलित

**दत्ताजीराव कदम आर्टस्, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी.**



स्थापना : जून १९६२
ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर – ४१६ ११५
फोन नं. (०२३०) २४२०४१२, फॅक्स – (०२३०) २४२४५५५
(शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर निरंतर संलग्नित – अफि/टी–२/४०४५, दि. १०/७/१९९९)
नॅक मानांकन – "अ" श्रेणी
• ई-मेल : dkasccollege@gmail.com [illegible] • Website : www.dkasc.ac.in



संस्थापक, संस्थाध्यक्ष : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे | अध्यक्ष : मा. चंद्रकांत (दादा) पाटील, मा. [illegible] मंत्री, महाराष्ट्र राज्य | कार्याध्यक्ष : आचार्य अभयकुमार साळुंखे, एम. ए. | सेक्रेटरी : प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे, एम. एससी. बी. एड. | प्र. प्राचार्य : डॉ. [illegible]


संदर्भ क्र. : DKASC / / 2021-2022

दिनांक : 18/01/2022

## कृतज्ञता ज्ञापन

प्रति,

डॉ. दिपक तुपे

महाय्यक प्राध्यापक

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.

विषय :- कृतज्ञता ज्ञापन हेतु.....

महोदय,

महाविद्यालय के हिंदी तथा मराठी विभाग की ओर से बी. ए.भाग तीन के छात्रों के लिए **'ग्रामीण पत्रकारिता'** कोर्स का आयोजन किया गया था। अत: आपने हमारा आमंत्रण स्विकार कर, उद्घाटक के रूप में उपस्थित रहकर **'पत्रकारिता एवं मुद्रितशोधन'** इस विषय पर हमारे हमारे छात्रों को अनमोल मार्गदर्शन किया। इसलिए महाविद्यालय का हिंदी विभाग आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

सधन्यवाद !

आपका विश्वास्

**HEAD,**
**Department of Hindi,**
**D.K.A.S.C. College,**
**Ichalkaranji**

# ग्रामीण पत्रकारिता

'ग्रामीण पत्रकारिता' कोर्स के अंतर्गत छात्रों को मार्गदर्शन करते हुए डॉ. दिपक तुपे सर

HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

DATTAJIRAO KADAM A. S. C. COLLEGE ICHALKARANJI

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार मराठी शिक्षण प्रसार

.शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापुर संचलित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अँन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

# हिंदी विभाग

## 'ग्रामीण पत्रकारिता' प्रमाणपत्र कोर्स

## सन 2021-22

## समय सारणी

| अ.नं. | समय | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 11:00 से11:30 | AMU | DRT | DRT | SKI | AVT | SBB |
| 02 | 11:30से 12:00 | SBB | SKI | SBB | AMU | AMU | AVT |

1) SBB - डॉ.सुनील बापू बेंद्रे

2) AMU- डॉ.अंजली महेश उबाळे

3) AVT- अर्चना वसंत तराळ

4) DRT- दिपक रामा तुपे

5) SKI - सुधाकर कल्लाप्पा इंडी

(डॉ. सुनील बेंद्रे)
HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

"ज्ञान विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"
शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे
श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर संचलित

# दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

## हिंदी विभाग -2021-22

## COC कोर्स (ग्रामीण पत्रकारिता)

18 अक्टूबर, 2021 से 18 जनवरी, 2022

| Sr. No. | Roll No. | Name Of Students | 18 | 20 | 21 | 22 | 23 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 01 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4052 | BARTAKKE ALAKNANDA CHANDRAKANT | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. | A.C.B. |
| 2 | 4053 | BOLAYKAR HARSHAD PADMAKAR | B.H.P. | B.H.P. | B.H.P. | Ab | B.H.P. | B.H.P. | B.H.P. | B.H.P. | B.H.P. | B.H.P. | Ab | B.H.P. |
| 3 | 4054 | DESAI SUHANA GANI | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 4 | 4055 | GANGAVE OMKAR SUDHAKAR | O.S.G. | O.S.G. | O.S.G. | O.S.G. | O.S.G. | O.S.G. | O.S.G. | Ab | O.S.G. | O.S.G. | O.S.G. | O.S.G. |
| 5 | 4056 | KADAM AKSHAY SHIVAJI | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. | K.A.S. |
| 6 | 4057 | KAMBLE NILESH NARAYAN | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 7 | 4058 | KAMBLE PAVAN UMESH | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | Ab | [signature] | [signature] |
| 8 | 4059 | KAROSHI SUNIL UTTAM | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 9 | 4060 | MALAGE RUTVIK ANANDA | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 10 | 4061 | MANE PARASHRAM ANANDA | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 11 | 4062 | MULLA SAMEER RAMJAN | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. |
| 12 | 4063 | NAGARKAR PRATIK DINESH | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 13 | 4064 | PAGADE PRATHAMESH JITENDRA | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | Ab | P.P.J. |
| 14 | 4065 | SHAIKH RUKAIYYA KALANDAR | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 15 | 4066 | SHEKH FIROZ GOUS | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | Ab | Ab | [signature] |
| 16 | 4067 | SHENWADE ANIKET SUBHASH | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. | A.S.S. |
| 17 | 4133 | GIRBA SWAPNIL VIDYASAGAR | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | Ab | [signature] |
| 18 | | PATIL PRATIK HINDURAO | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | Ab | [signature] | [signature] | Ab |
| 19 | 4134 | BALLARI ANJALI VYANKATESH | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
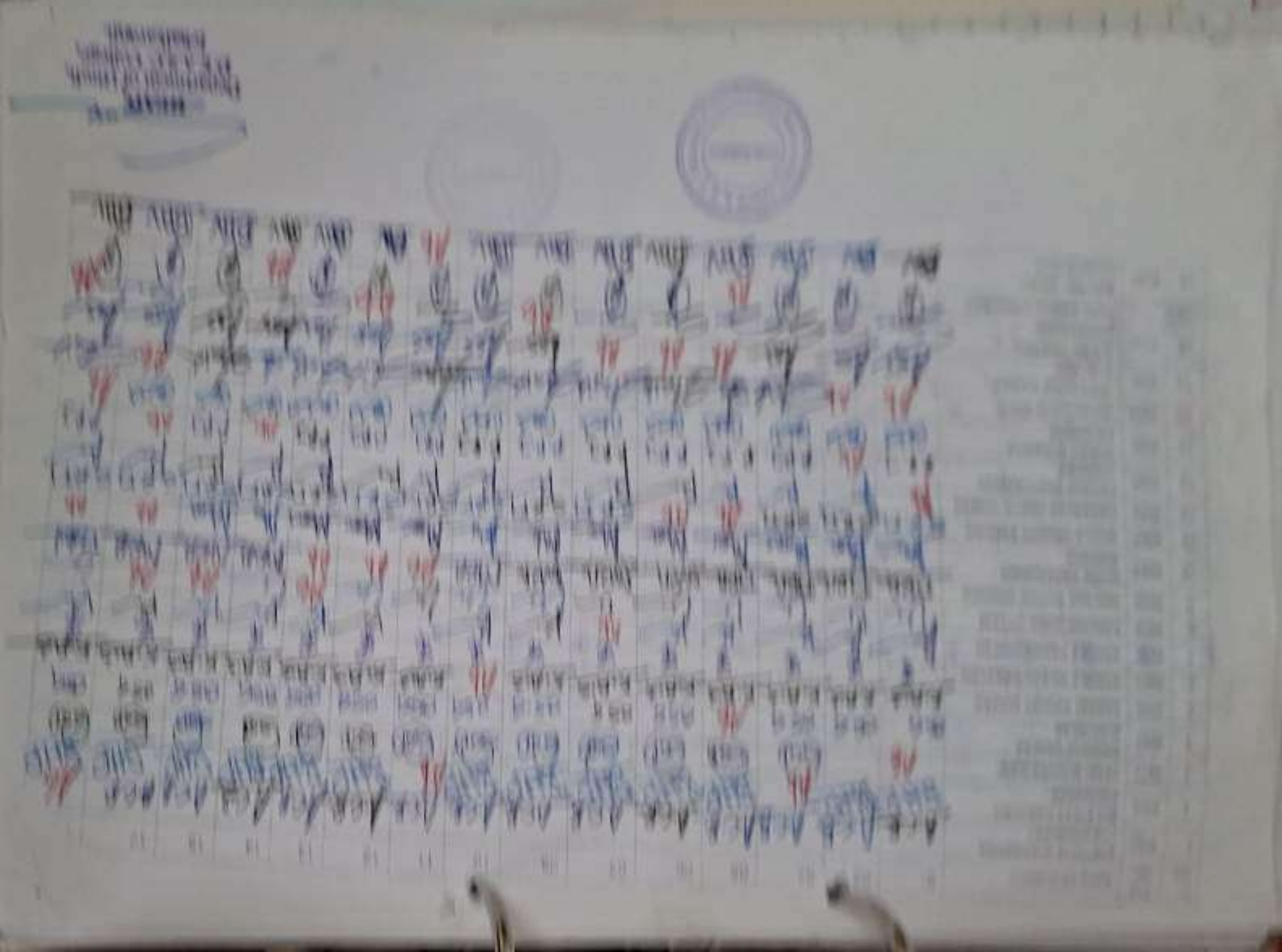
| Sr No. | Roll No. | Name Of Students | 02 | 03 | 06 | 08 | 09 | 10 | 11 | 12 | 13 | 15 | 16 | 17 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4052 | BARTAKKE ALAKNANDA CHANDRAKANT | A.C.B | A.C.B | A.C.B | Ab | A.C.B | Ab | A.C.B | A.C.B. | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B. |
| 2 | 4053 | BOLAYKAR HARSHAD PADMAKAR | BHP | Ab | BHP | BHP | BHP | BHP | BHP | Ab | BHP | BHP | Ab | BHP |
| 3 | 4054 | DESAI SUHANA GANI | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD |
| 4 | 4055 | GANJAVE OMKAR SUDHAKAR | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG |
| 5 | 4056 | KADAM AKSHAY SHIVAJI | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S |
| 6 | 4057 | KAMBLE NILESH NARAYAN | | | | | | | | | | | | |
| 7 | 4058 | KAMBLE PAVAN UMESH | | | | | | | | | | | | |
| 8 | 4059 | KAROSHI SUNIL UTTAM | | | | | | Ab | | | | | Ab | |
| 9 | 4060 | MALAGE RUTVIK ANANDA | | | | | | Ab | | | | | | Ab |
| 10 | 4061 | PAANE PARASHRAM ANANDA | | | | | | | | | | Ab | Ab | |
| 11 | 4062 | MULLA SAMEER RAMIAN | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. |
| 12 | 4063 | NAGARKAR PRATIK DINESH | | | | | | | | | | | | |
| 13 | 4064 | PAGADE PRATHAMESH JITENDRA | P.P.G | P.P.G | P.P.G | P.P.G | P.P.G | Ab | P.P.G | P.P.G | Ab | P.P.G | P.P.G | P.P.G |
| 14 | 4065 | SHAIKH RUKAIYYA KALANDAR | | | | | | | | Ab | | | | |
| 15 | 4066 | SHEKH FIROZ GOUS | | | | | | Ab | | | | | Ab | |
| 16 | 4067 | SHENWADE ANIKET SUBHASH | | | | | | | | | | | | |
| 17 | 4133 | GIRIBA SWAPNIL VIDYASAGAR | | | | | | | | | | | | |
| 18 | | PATIL PRATIK HINDURAO | | Ab | | | | Ab | | | Ab | | | |
| 19 | 4136 | BALLARI ANJALI VYANKATESH | | | | | | | | Ab | Ab | Ab | | |

CHALKARANJI

| Sr. No. | Roll No. | Name Of Students | 18 | 20 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 29 | 30 | 01 | 02 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4052 | BARTAKKE ALAKNANDA CHANDRAKANT | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B. | A.C.B | A.C.B | Ab | A.C.B | Ab | A.C.B |
| 2 | 4053 | BOLAYKAR HARSHAD PADMAKAR | BHP | BHP | BHP | Ab | BHP | BHP | BHP | Ab | BHP | BHP | BHP | BHP |
| 3 | 4054 | DESAI SUHANA GANI | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD |
| 4 | 4055 | GANJAVE OMKAR SUDHAKAR | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | Ab | OSG | OSG |
| 5 | 4056 | KADAM AKSHAY SHIVAJI | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | Ab | K.A.S | Ab | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S |
| 6 | 4057 | KAMBLE NILESH NARAYAN | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| 7 | 4058 | KAMBLE PAVAN UMESH | Ab | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] |
| 8 | 4059 | KAROSHI SUNIL UTTAM | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 9 | 4060 | MALAGE RUTVIK ANANDA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA | NRA |
| 10 | 4061 | MANE PARASHRAM ANANDA | Mane | Mane | Ab | Mane | Mane | Mane | Mane | Ab | Mane | Mane | Mane | Mane |
| 11 | 4062 | MULLA SAMEER RAMJAN | Ab | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. | Ab | S.R.M. | S.R.M. | S.R.M. |
| 12 | 4063 | NAGARKAR PRATIK DINESH | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 13 | 4064 | PAGADE PRATHAMESH JITENDRA | P.P.J. | Ab | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. | P.P.J. |
| 14 | 4065 | SHAIKH RUKAIYYA KALANDAR | [illegible] | Ab | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 15 | 4066 | SHEKH FIROZ GOUS | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] | Ab |
| 16 | 4067 | SHENWADE ANIKET SUBHASH | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 17 | 4133 | GIRIBA SWAPNIL VIDYASAGAR | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] | Ab | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 18 | | PATIL PRATIK HINDURAO | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] | [illegible] | [illegible] | Ab | [illegible] | Ab | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 19 | 4134 | BALLARI ANJALI VYANKATESH | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV |

DATTAJIRAO KADAM A. S. C. COLLEGE, ICHALKARANJI

| Sr. No. | Roll No. | Name Of Students | 03 | 04 | 06 | 07 | 08 | 09 | 10 | 11 | 13 | 14 | 15 | 16 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4052 | BARTAKKE ALAKNANDA CHANDRAKANT | Ab | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B |
| 2 | 4053 | BOLAYKAR HARSHAD PADMAKAR | BHP | BHP | Ab | BHP | BHP | BHP | Ab | BHP | BHP | BHP | BHP | BHP |
| 3 | 4054 | DESAI SUHANA GANI | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD |
| 4 | 4055 | GANJAVE OMKAR SUDHAKAR | Ab | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG |
| 5 | 4056 | KADAM AKSHAY SHIVAJI | K.A.S | K.A.S | K.A.S | Ab | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | Ab | K.A.S |
| 6 | 4057 | KAMBLE NILESH NARAYAN | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| 7 | 4058 | KAMBLE PAVAN UMESH | Kr | Kr | Kr | Ab | Kr | Kr | Ab | Ab | Kr | Kr | Kr | Kr |
| 8 | 4059 | KAROSHI SUNIL UTTAM | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue | Ue |
| 9 | 4060 | MALAGE RUTVIK ANANDA | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA | Ab | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA |
| 10 | 4061 | MANE PARASHRAM ANANDA | Mu | Mu | Mu | Mu | Mu | Ab | Mu | Ab | Mu | Mu | Ab | Mu |
| 11 | 4062 | MULLA SAMEER RAMJAN | S.R.M | S.R.M | S.R.M | S.R.M | Ab | S.R.M | S.R.M | S.R.M | S.R.M | Ab | S.R.M | S.R.M |
| 12 | 4063 | NAGARKAR PRATIK DINESH | Pr | Pr | Pr | Pr | Pr | Pr | Pr | Pr | Pr | Pr | Ab | Pr |
| 13 | 4064 | PAGADE PRATHAMESH JITENDRA | P.P.G | P.P.G | P.P.G | Ab | P.P.G | P.P.G | P.P.G | P.P.G | P.P.G | Ab | P.P.G | P.P.G |
| 14 | 4065 | SHAIKH RUKAIYYA KALANDAR | Cvs | Cvs | Cvs | Cvs | Cvs | Ab | Cvs | Cvs | Cvs | Cvs | Cvs | Cvs |
| 15 | 4066 | SHEKH FIROZ GOUS | Shaikh | Shaikh | Shaikh | Shaikh | Shaikh | Shaikh | Shaikh | | Shaikh | Ab | Ab | Shaikh |
| 16 | 4067 | SHENWADE ANIKET SUBHASH | Ass | Ass | Ass | Ass | Ass | Ass | Ass | Ass | Ass | ASC | Ass | ASL |
| 17 | 4133 | GIRIBA SWAPNIL VIDYASAGAR | Sn | Sn | Sn | Sn | Sn | Ab | Ab | Sn | Sn | Sn | Sn | Sn |
| 18 | | PATIL PRATIK HINDURAO | B | B | B | Ab | B | B | B | B | B | B | Ab | B |
| 19 | 4134 | BALLARI ANJALI VYANKATESH | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | Ab | Ab | Ab | BAV | BAV | BAV |

| Sr. No. | Roll No. | Name Of Students | 17 | 18 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4052 | BARTAKKE ALAKNANDA CHANDRAKANT | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B. | A.C.B | Ab | Ab | A.C.B. | A.C.B | A.C.B | A.C.B | A.C.B |
| 2 | 4053 | BOLAYKAR HARSHAD PADMAKAR | BHP | BHP | B.HP | BHP | BHP | BHP | Ab | BHP | BHP | BHP | BHP | Ab |
| 3 | 4054 | DESAI SUHANA GANI | SGD | SGD | SGD | Ab | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD | SGD |
| 4 | 4055 | GANJAVE OMKAR SUDHAKAR | OSG | Ab | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG | OSG |
| 5 | 4056 | KADAM AKSHAY SHIVAJI | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | Ab | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S | K.A.S |
| 6 | 4057 | KAMBLE NILESH NARAYAN | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 7 | 4058 | KAMBLE PAVAN UMESH | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 8 | 4059 | KAROSHI SUNIL UTTAM | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 9 | 4060 | MALAGE RUTVIK ANANDA | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA | MRA | Ab | MRA | MRA |
| 10 | 4061 | MANE PARASHRAM ANANDA | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 11 | 4062 | MULLA SAMEER RAMJAN | S.R.M | S.R.M | S.R.M. | Ab | S.R.M | S.R.M | S.R.M | S.R.M | S.R.M | S.R.M | S.R.M | S.R.M |
| 12 | 4063 | NAGARKAR PRATIK DINESH | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab |
| 13 | 4064 | RAGADE PRATHAMESH JITENDRA | P.P.J | P.P.J | P.P.J. | P.P.J | P.P.J | P.P.J | P.P.J | P.P.J | P.P.J. | P.P.J | P.P.J | P.P.J |
| 14 | 4065 | SHAIKH RUKAIYYA KALANDAR | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] |
| 15 | 4066 | SHEKH FIROZ GOUS | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | Ab |
| 16 | 4067 | SHENWADE ANIKET SUBHASH | ASS | ASS | ASS | ASS | ASS | ASS | ASS | Ab | ASS | ASS | ASS | ASS |
| 17 | 4133 | GIRIBA SWAPNIL VIDYASAGAR | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | Ab | Ab | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | Ab |
| 18 | | PATIL PRATIK HINDURAO | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | [signature] | Ab | [signature] | Ab | [signature] | [signature] | [signature] |
| 19 | 4134 | BALLARI ANJALI VYANKATESH | BAV | BAV | BAV | BAV | Ab | BAV | BAV | BAV | BAV | BAV | Ab | BAV |

D. K. A. S. C. COLLEGE ICHALKARANJI

HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C College

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर संचालित

# दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज,

## इचलकरंजी

## हिंदी विभाग

**शैक्षिक वर्ष 2021-2022**

---

दि. 20 /01 /2022

# नोटिस

बी.ए. भाग तीन (हिंदी) के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि,'**ग्रामीण पत्रकारिता**' कोर्स के अंतर्गत पढाए गए पाठ्यक्रम पर सोमवार दि. 24 जनवरी 2022 को दोपहर ठिक 12:00 से 3:00 बजे क्लास रूम नंबर- 204 में परीक्षा संपन्न होगी। अत: सभी छात्रो का कक्षा में समय पर उपस्थित रहना अनिवार्य है।

प्रा.तराळ ए. व्ही.

प्रा.उबाळे अंजली

समन्वयक

डॉ. सुनील बेंद्रे

HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार'

- शिक्षणमहर्षी डॉ बापूजी साळुंखे

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अँण्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

# हिंदी विभाग

शैक्षणिक वर्ष 2021-2022

## सर्टिफिकेट कोर्स ग्रामीण पत्रकारिता

बी. ए. भाग III

सेमिस्टर 5

कुल अंक 100

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2) दाईओरलिखे अंक प्रश्नों के गुण दर्शाते हैं।

---

प्रश्न 1 कोष्टक में दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। 20

1) समाचार लेखन के___ प्रकार है।

(दो /तीन /पांच/ छह)

2) हिंदी का पहला समाचार पत्र___ है।

(उदंत मार्तंड/बनारस अखबार / दिग्दर्शन बुद्धि/ प्रकाश)

3) जर्नलिज्म शब्द ___ से निकला है।

(जर्नल /जर्मन/ जापान /जनतंत्र)

4)___ को समाचार पत्र का वास्तुशास्त्र माना जाता है।

(आमुख /फोटो /शीर्षक/ पृष्ठ विन्यास)

5)___ मुद्रित माध्यम है।

(रेडियो /चलचित्र/नाटक /समाचार पत्र)

6) ऑल इंडिया रेडियो को ही__ कहा जाता है।

(आकाशवाणी/ दूरदर्शन/ एफ.एम/ पवन वाणी)

7) जानकारी का महाजाल___को कहा जाता है।

(रेडियो/ टी.वी./केबल/ इंटरनेट)

8) लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभ___ कहा जाता है।

DATTAJIRAO KADAM A. S. C. COLLEGE ICHALKARANJI

(न्यायपालिका/ कार्यपालिका/ संसद /पत्रकारिता )

9) अखबार को__ कानून के तहत अभिव्यक्ति स्वतंत्रता का अधिकार है।

(19अ/ 19ब/ 19क/ 19ड)

10) भारत में मुद्रण कला का आगमन___में हुआ है।

(सन 1555 ई./ सन 1565ई./सन1557ई./सन1556 ई.)

प्रश्न 2. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकारों का विवेचन कीजिए। 20

अथवा

हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 3. समाचार लेखन के विविध स्रोतों का परिचय दीजिए। 20

अथवा

संपादन कला के सामान्य सिद्धांतों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4. कृष्णा नदी में अतिवृष्टि का कहर बरपा है और आसपास के गाँव का भारी मात्रा में नुकसान हो चुका है वृत्तांत लेखन कीजिए। 20

अथवा

दत्ताजी राव कदम आर्ट्स, सायन्स ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज इचलकरंजी में हिंदी दिवस मनाया गया वृत्तांत लेखन कीजिए।

प्रश्न 5. टिप्पणियाँ लिखिए।(3 में से 2) 20

1) रेडियो पत्रकारिता

2) दुरदर्शन पत्रकारिता

3) वेब पत्रकारिता

++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++++

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ बापूजी, साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

# दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

## हिंदी विभाग – 2021 – 22

## 'ग्रामीण पत्रकारिता' कोर्स उपस्थिति

| क्र.सं. | रोल नं. | | छात्र का नाम | हस्ताक्षर | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4052 | * | BARTAKKE ALAKNANDA CHANDRAKANT | [illegible] | 52 |
| 2 | 4053 | | BOLAYKAR HARSHAD PADMAKAR | [illegible] | 55 |
| 3 | 4054 | * | DESAI SUHANA GANI | S.G.Desai | 76 |
| 4 | 4055 | | GANJAVE OMKAR SUDHAKAR | Ab | Ab |
| 5 | 4056 | | KADAM AKSHAY SHIVAJI | [illegible] | 60 |
| 6 | 4057 | | KAMBLE NILESH NARAYAN | N.N.Kamble | 62 |
| 7 | 4058 | | KAMBLE PAVAN UMESH | P.U.Kamble | 61 |
| 8 | 4059 | | KAROSHI SUNIL UTTAM | Ab | Ab |
| 9 | 4060 | | MALAGE RUTVIK ANANDA | R.A.Malage | 73 |
| 10 | 4061 | | MANE PARASHRAM ANANDA | P.A.Mane | 69 |
| 11 | 4062 | | MULLA SAMEER RAMJAN | S.Mulla | 76 |
| 12 | 4063 | | NAGARKAR PRATIK DINESH | P.D.N | 53 |
| 13 | 4064 | | PAGADE PRATHAMESH JITENDRA | P.Gade | 58 |
| 14 | 4065 | * | SHAIKH RUKAIYYA KALANDAR | Rukaiyya | 70 |
| 15 | 4066 | | SHEKH FIROZ GOUS | F.G.Shekh | 60 |
| 16 | 4067 | | SHENWADE ANIKET SUBHASH | Ab | Ab |
| 17 | 4122 | | PATIL PRATIK HINDURAO | Ab | Ab |
| 18 | 4133 | | GEERIBA SWAPNIL VIDYASAGAR | S.V.Geeriba | 50 |
| 19 | 4134 | * | BALLARI ANJALI VYANKATESH | Ab | Ab |

DATTAJIRAO KADAM A.S.C. COLLEGE
ICHALKARANJI

[signature]
HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापुर, संचलित

# दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

## हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2021-22

बी.ए. भाग तीन (हिंदी)    कुल अंक: 100    सेमिस्टर: 05

दि. 24 जनवरी, 2022

## ग्रामीण पत्रकारिता रिझल्ट

| अनु.क्र. | रोल नंबर | अंक 100 में से |
|---|---|---|
| 1 | 4052 | 52 |
| 2 | 4053 | 55 |
| 3 | 4054 | 76 |
| 4 | 4056 | 60 |
| 5 | 4057 | 62 |
| 6 | 4058 | 61 |
| 7 | 4060 | 73 |
| 8 | 4061 | 69 |
| 9 | 4062 | 76 |
| 10 | 4063 | 53 |
| 11 | 4064 | 58 |
| 12 | 4065 | 70 |
| 13 | 4066 | 60 |
| 14 | 4133 | 50 |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.

DATTAJIRAO KADAM A. S. C. COLLEGE ICHALKARANJI

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

## दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, सायन्स अँड कॉमर्स कॉलेज,

## इचलकरंजी

# हिंदी विभाग

2021-2022

ग्रामीण पत्रकारिता

(COC)

छात्र का नाम :- क्रांति आनंदा माळगे

रोल नं. :- 4060

तिथि :- 24/01 /2022

समय :- 3 घंटे

अंक :- 100

1 प्र 1 2 5 4 5
16+14+14+14+15 = 73

प्रश्न 1 कोष्टक में दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

(1) समाचार लेखन के पाँच प्रकार है।

(2) हिंदी का पहला समाचार पत्र उदंत मार्तंड है।

(3) जर्नलिज्म शब्द फ्रेंच भाषा से निकला है।

(4) ______ को समाचार पत्र का वास्तुशास्त्र माना जाता है।

(5) समाचार मुद्रित माध्यम है।

(6) ऑल इंडिया रेडियो को ही आकाशवाणी कहा जाता है।

(7) जानकारी का महाजाल इंटरनेट को कहा जाता है

(8) लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभ पत्रकारिता कहा जाता है।

(9) अकबर को ______ कानून के तहत अभिव्यक्ती स्वतंत्रता का अधिकार है।

(10) भारत में मुद्रण कला का आगमन 1556 में हुआ है।

16

CHOUGHANA

प्र. 2

## पत्रकारिता के स्वरूप एवं प्रकार

पत्रकारिता का स्वरूप - वस्तुतः पत्रकारिता ही वह माध्यम है जिसके अन्तर्गत हम विश्व जीवन से संयुक्त होते हैं। आज के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व्यस्तता प्रधान जीवन में समाचार-पत्र हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चला है। जिस तरह शारीरिक भूख शांत करने के लिए भोजन जरूरी है। ठीक उसी तरह मानसिक तृप्ति के लिए पत्र-पत्रिकाएं जीवन के लिए अनिवार्य बन चली हैं।

"पत्रकारिता वास्तव में एक चुनौती है जिसके आवश्यक गुण हैं - उत्तरदायित्व, अपनी स्वतंत्रता बनाए रखना, सभी दबावों से परे रहना, सत्य प्रकट करना, निष्पक्षता, सम्मान और सभ्य व्यवहार।"

पत्रकारिता आधुनिक सभ्यता का प्रमुख व्यवसाय है, जिसमें समाचारों का एकत्रीकरण, लिखना, जानकारी एकत्रित करके पहुँचाना, सम्पादित करना और सम्यक प्रस्तुतीकरण आदि सम्मिलित हैं। आज के युग में पत्रकारिता के भी अनेक माध्यम हो गये हैं, जैसे - अखबार, पत्रिकायें, रेडियो, दूरदर्शन, वेब-पत्रकारिता आदि। बदलते वक्त के साथ बाजारवाद और पत्रकारिता के अन्तर्सम्बन्धों ने पत्रकारिता की विषय-वस्तु तथा प्रस्तुति शैली में व्यापक परिवर्तन किए।

वर्तमान में भारतीय पत्रकारिता सरकारी गजट या नोटिफिकेशन बनकर रह गई है। लगभग सभी मिडिया संस्थान और चैनल दिन रात सरकार का गुणगान करते हैं इक्कीसवीं सदी में दुनिया विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर बात कर रही है परन्तु भारतीय मीडिया धर्म, जातिवाद, मन्दिर, मस्जिद की तथाकथित राजनीति से आगे नहीं बढ़ पा रही है। इस तरह की पत्रकारिता भारतीय समाज में अन्धविश्वास, धार्मिक उन्माद, सामाजिक विघटन ही पैदा करेगी। वर्तमान समय में मीडिया की नजरों में सेक्युलर, उदारवादी या संविधानवादी होना स्वयं में एक गाली हो गया है।

पण्डित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाष चन्द्र बोस और मौलाना आजाद के सपनों का भारत वाकई में बहुत खूबसूरत और खुशहाल है और इस भारत को पण्डित जवाहर नेहरू हम इस तरह अन्धविश्वास, तथाकथित धार्मिक उन्माद और जड़ता की ओर नहीं जाने देंगे।

प्र.८

हिन्दी पत्रकारिता ने अपने स्वरूप और अपने चरित्र में बुनियादी परि[illegible]
किसी खबरों की रचुकता की जगह उसके तह में छिपी सच्चाई की खोज [illegible]
प्रवृत्ति विकसित हुई और हिन्दी पत्रकारिता ने आमजन के दर्द को आवाज़
साथ ही हाथ में नहीं लिया, उसके कारणों को तलाशने एवं उस पर निर्भीकता
भरपूर हमला करने की ओर भी प्रवृत्त हुई। आठवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किसी
शासनात्मक भाषण को आँख मूँदकर अखबार की सुर्खियाँ बनाने वाले समाच
पत्रों ने ऐसी खबरों को प्रमुखता देनी शुरू की जिनका सीधा सम्बन्ध वर्ग से
है। असीमित ऊर्जा और सीधा सम्बन्ध पाठक वर्ग से होता है। असीमित ऊ
और आजादी चेतना ने उसे दिग्विजयी आत्मशक्ति दी उसकी बदौलत वह
न केवल तंत्र के सामने तनकर खड़ी हुई वरन लोक के लिए सुरक्षा कवच भी ब
गयी। पत्रकारिता ने जहाँ एक ओर सत्ता के घिनौने खेल को निर्भीकता के साथ
बेनकाब करना शुरू किया वहीं अंधे, पाखण्डों, मान्यताओं पर भी प्रहार किया।
जातिवाद, भाषावाद, सम्प्रदाय, धर्मान्धता, क्षेत्रवाद जैसी संकीर्ण प्रवृत्तियों के उत्स
खोजे और उन तत्वों को शक्ति दी जिनसे देश की पहचान बनती थी। व्यक्ति के
उसकी गरिमा और अस्मिता का बोध कराया तथा सांस्कृतिक - सामाजिक चेतना के
तारों को लय दिया। कर्तव्य बोध ने हिन्दी पत्रकारिता को गवेषणात्मक बनाया और
वह जलते सवालों पर मुखर बहस का सार्थक मंच बनी मानवीय जीवन के चाहे
जिस पहलू से जुड़े हों। कभी-कभी तो वह खुलकर एक पक्ष के रूप में आती
हुई दिखाई देती है। तटस्थता की पुरानी अवधारणा अन्तिम साँस ले रही है।
खबरों और विशेष रपटों पर कभी-कभी तो सम्पादक की अपनी दृष्टि इतनी
अधिक हावी दिखती है कि सही तथ्य तक पहुँचना मुश्किल हो जाता है। यह
लक्षण शुभ है या अशुभ इस विवाद में पड़े बिना इतना तो कहा जा सकता है
कि जनसाधारण के प्रति हिन्दी क्षेत्र पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, खेल
पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, उद्योग पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, दूरदर्शन
पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता।

खोजी पत्रकारिता — समाचार-पत्र उद्योग की आपसी प्रतिस्पर्धा ने खोज पत्रकारिता
को भरपूर बढ़ावा दिया। प्रतिद्वन्द्वी अखबारों से अलहदा कुछ नयी और सनसनीखेज
खबर पाठकों तक पहुँचाकर अखबार को लोकप्रिय बनाने की मंशा के चलते खोज-खबरों की बहार
सी आ गयी है। हालत यह है कि संवाददाता से लेकर सम्पादक तक की प्रतिभा, योग्यता और कुशलता
का मापदण्ड ही बन गयी है खोज-खबरें। संवाददाता की कार्यकुशलता इस बात से आँकी जाने
लगी है कि वह कितनी एक्सक्लूसिव स्टोरी ले आता है और अखबार तथा सम्पादक की
प्रतिष्ठा इस बात से बनती है।

पत्रकारिता की साख को बनाए रखने के लिए निम्नलिखित सिद्धांतों (संपादन के Siddhant) का पालन करना जरूरी है:-

तथ्यात्मकता
वस्तुपरकता
निष्पक्षता
संतुलन
स्त्रोत
सत्यता
समसामयिकता

तथ्यात्मकता (तथ्यों की शुद्धता):- एक पत्रकार समाचार के रूप में वास्तविकता को पेश करने की कोशिश करता है। संपादन करते समय शुद्धता का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकी पाठक का विश्वास जीतने के लिए और उनकी संख्या में बृद्धी करने के लिए समाचार का शुद्ध होना महत्वपूर्ण है। (संपादन के Siddhant) तथ्यों के साथ कोई छेड़छाड़ ना करके उन्हे वैसे ही छाप देना चाहिए। और ऐसे तथ्यो का चयन करना चाहिए जो उस घटना का संपूर्ण प्रतिनिधित्व कर सकते हो। इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि किसी भी विषय के बारे में तथ्यों के साथ कोई छेड़छाड़ ना करके उन्हें वैसे ही छाप देना चाहिए। और ऐसे तथ्यो का चयन करना चाहिए जो उस घटना का संपूर्ण प्रतिनिधित्व कर सकते हो। इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि किसी भी विषय के बारे में समाचार लिखते समय हम किन सुचनाओं और तथ्यो का चयन करते है और किन्हें छोड़ देते है।

बस इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सुचनाएं और तथ्य सबसे अहम है और संपूर्ण घटना का प्रतिनिधित्व करते हो तथ्य बिलकुल सही होने चाहिए उन्हें तोड़ मरोड़ नही जाना चाहिए। (संपादन के Siddhant)

वस्तुपरकता:- वस्तुपरकता और तथ्यपरकता के बीच काफी समानता है लेकीन अंतर भी है। तथ्यपरकता का संबंध जहां अधिकाधिक तथ्यों से है वही वस्तुपरकता का संबंध इस बात से है कि कोई व्यक्ति तथ्यो को कैसे देखता है। किसी विषय में है या मुद्दे के बारे में हमारे मानसिक में पहले से बनी हुई छवियां समाचार मूल्यांकन की हमारी क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

कई बार यह छवियां वास्तविक हो सकती है परंतु कई बार वास्तविकता से दूर भी हो सकती है। वस्तुपरकता की अवधारणा का संबंध हमारे सामाजिक

सांस्कृतिक आर्थिक मूल्य से अधिक है। कई बार यह छवियां वास्तविक हो सक
परंतु कई बार वास्तविकता से दूर भी हो सकती है। वस्तुपरकता की अवधारणा
हमारे सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक मूल्य से अधिक है।
हमें यह माहौल से मिलते हैं हम दुनिया भर के स्थानों लोगों संस्कृतियों
अपनी एक धारणा के छवि बना लेते हैं पर एक पत्रकार होने के नाते पत्रकार
होता है कि वह तथ्यों का संकलन और उसे प्रस्तुत करते हुए अपने अ
अपनी धारणाओं या विचारों से प्रभावित ना होने दे।
(संपादन के Siddhant)

निष्पक्षता :- एक पत्रकार के लिए निष्पक्ष होना भी बहुत जरूरी है। यह
तभी बनती है जब समाचार संगठन बिना किसी का पक्ष लिए सच्चाई
सामने लाते हैं। जब हम समाचारों में निष्पक्षता की बात करते हैं तो इसमें न्या
संगत होने का तत्व अधिक अहम होता है।

संतुलन :- निष्पक्षता की अगली कड़ी संतुलन है। आमतौर पर मीडिय
पर आरोप लगाया जाता है कि समाचार कवरेज संतुलित नहीं है। वह कि
एक पक्ष की ओर झुका है। आमतौर पर संतुलन की आवश्यकता वहीं पड़
है जहां इसी घटना में अनेक पक्ष शामिल हो और उनका आपस में कि
न किसी रूप में टकराव हो। (संपादन के Siddhant)
इन स्थितियों में संतुलन का अर्थ यही है कि संबंधित पक्षों की बात
समाचार में अपने समाचारीय वजन के अनुसार स्थान पाएं। पत्रकार का निष्पक्ष
होना बहुत अच्छा होता है वह किसी एक वस्तु विशेष समुदाय विशेष पार्टी विशे
का पक्ष ना लेकर निष्पक्ष रहकर सत्यता से काम करे।

स्त्रोत :- हर समाचार में शामिल की गई सूचना और जानकारी का कोई ना कोई स्त्रो
होना आवश्यक है और स्त्रोत का विश्वसनीय होना उससे भी ज्यादा आवश्यक है
समाचार संगठन का पत्रकार जब सूचनाएं एकत्रित करता है तो उसके अपने भी
स्त्रोत होते हैं
इस तरह किसी भी दैनिक समाचार पत्र के लिए PTI (भाषा), UNI
(यूनीवार्ता) जैसी समाचार एजेंसियां और स्वयं अपने ही संवाददाताओं और रिपोर्टो
का तंत्र समाचारों का स्त्रोत होता है। (संपादन के Siddhant)

2 वेब पत्रकारिता :

आधुनिक काळात मुद्रण क्षेत्रामध्ये संगणक आणि महाजाल (इंटरनेट) यांनी प्रवेश केला आहे. त्यामुळे पत्रकारिता क्षेत्रातही बदल झाले आहेत. संगणक आणि इंटरनेटच्या माध्यमातून केल्या जाणाऱ्या पत्रकारितेस "वेब पत्रकारिता" असे म्हणतात. सोशल मीडिया, वेब न्यूज पोर्टल्स, वेब चॅनल्स ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सअप, युट्युब यांसारख्या वेब माध्यमांद्वारे वाचकांसाठी माहिती उपलब्ध करून दिली जाते. ही माहिती इंग्रजी व सर्व भारतीय भाषांमधून दिली जाते. वेब पत्रकारिता व सोशल मीडिया आज प्रभावित रित्या कार्यकरीत असले, तरी त्यावरील बातम्या व माहिती तपासून, खात्री करून घेणे आवश्यक असते.

इंटरनेट पत्रकारिता एक प्रकार की पत्रकारिता है जिसमें इंटरनेट पर पत्रकारिता सामग्री का प्रसार शामिल है। "नेटवर्क पत्रकारिता," "वेब पत्रकारिता," "ऑनलाइन पत्रकारिता," "डिजिटल पत्रकारिता।" डिजिटल पत्रकारिता नाम भी करीब है।

संकीर्ण अर्थ में ऑनलाइन पत्रकारिता वह सामग्री है जो ऑनलाइन मीडिया में प्रकाशित होती है, अर्थात पारंपारिक मीडिया के ऑनलाइन संस्करणों में या स्वतंत्र ऑनलाइन प्रकाशनों में। व्यापक अर्थ में, ऑनलाइन पत्रकारिता में ब्लॉग, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर उपयोग किए जाने वाले अन्य मीडिया भी शामिल हो सकते हैं, जिनके लिए विदेशी विशेषज्ञों ने कुछ समय से "(सोशल मीडिया)" शब्द का उपयोग किया है।

एक ओर, ऑनलाइन पत्रकारिता को चौथे प्रकार के मीडिया के रूप में प्रतिष्ठित किया गया और दूसरी ओर, ऑनलाइन प्रकाशनों ने अन्य सभी प्रकार के मीडिया की विशेषताओं को संयोजित किया।

"न्यू मीडिया," "ऑनलाइन मीडिया," की अवधारणाएं इन प्रक्रियाओं से काफी प्रभावित हुई है, जिन्होंने कई मामलों में उनकी सीमाओं को स्पष्ट और स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना असंभव बना दिया है।

ऑनलाइन संसाधन नेटवर्क ऑब्जेक्ट हैं जिनमें ऑनलाइन प्रकाशन, व्यक्तिगत लेखक परियोजनाएं, ब्लॉग, इंटरनेट रेडियो ऑनलाइन संसाधन नेटवर्क ऑब्जेक्ट हैं, जिनमें ऑनलाइन प्रकाशन, व्यक्तिगत लेखक परियोजनाएं, ब्लॉग, इंटरनेट रेडियो और इंटरनेट टीवी समाचार एग्रीगेटर, डाइजेस्ट और इंटरनेट मीडिया के अन्य रूप शामिल हैं।

हालाँकि, "इंटरनेट संसाधन" की अवधारणा बहुत व्यापक है जिसे पत्रकारिता माना जाता है उससे कहीं आगे तक जा सकता है उदाहरण के लिए, मौसम की जानकारी प्रदान करें, विनिमय दर प्रदान करे, ई-मेल चालू करें, या यहां तक कि ऑनलाइन स्टोर के रूप में भी काम करें।

7

प्र 3 14

समाचार लेखन के विविध स्रोतों का परिचय दीजिए।

समाचार संकलन :- कोई भी व्यक्ति स्वाभाविक रूप से पूछ सकता है कि समाचार पत्र के लिए खबरें कहाँ से एकत्र हो जाती हैं? उसके संवाददाता खबरों को कहाँ से और किस तरह प्राप्त कर लेते हैं? इसका बड़ा सीधा और सटीक उत्तर यह है - यदि समाचार विवेक हो तथा उन्हें संकलित करने की योग्यता और क्षमता हो तो समाचारों के अनगिनत स्रोत हैं।

इस संबंध में स्मरण योग्य बात है कि रिपोर्टर, संवाददाता / प्रतिनिधि / उप-संपादक का परिश्रम, उनकी सूझ-बूझ समाचार सूंघने, खोजने और समाचार का पीछा करने की प्रवृत्ति द्वारा विभिन्न स्रोतों तथा माध्यमों से सर्वसामान्य के लिए ज्ञातव्य विभिन्न सूचनाओं, तथ्यों, घटनाओं के विवरणों, भाषणों आदि में व्यक्त विचारों इत्यादि विधिवत संग्रह (समाचार कथा के रूप में प्रकाशित करना) समाचार संकलन कहलाता है।

कई बार कोई संवाददाता समाचार की खोज में मारा मारा फिरता है, फिर भी उसे कोई समाचार हाथ नहीं आता। जबकि कई बार अनायास ही राह चलते उसे कोई महत्त्वपूर्ण समाचार हस्तगत हो जाता है। परंतु यह निर्भर करता है कि आपके आँख, कान और नाक कितने सचेत और अनुभवी हैं।

बड़े समाचार पत्रों, आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए समाचारों का संकलन और आयोजन कोई एक व्यक्ति या संवाददाता नहीं करता। इस काम में पूरा समाचार संकलन अनुभाग या समाचार एकांश (news unit) जुड़ा रहता है। समाचार संपादक या मुख्य संवाददाता की मेज पर या समाचार एकांश में समाचारों, प्रेस रिलीज, वक्तव्यों, भाषणों आदि अनेक चीजों का ढेर सा लगा रहता है। इस ढेर से छाँटकर समाचारों को प्रकाशन के योग्य बनाना। किंतु कई बार उन समाचारों में दी गई सूचनाएं कई बार पर्याप्त नहीं होती। पुष्ट नहीं हुआ करती। ऐसे में समाचार प्रभाग को सर्वाधिक ध्यान समाचार स्रोतों देना होता है। इसके पश्चात उसकी विश्वसनीयता और प्रामाणिकता की जाँच होती है तदुपरांत फिर यह निर्णय लिया जाता है। कि समाचार प्रकाशन या प्रसारण योग्य है अथवा नहीं।

समाचार स्रोत :- समाचार स्रोत वास्तव में भी स्थानीय केंद्र है जहाँ से समाचार प्राप्त होते हैं अथवा हो सकते हैं। विशिष्ट व्यक्ति, संस्था, अदालत, पुलिस स्टेशन, विधानसभा, सम्मेलन, समारोह, सार्वजनिक स्थल, मंडी, रेलवे स्टेशन इत्यादि कुछ भी समाचार स्रोत हो सकते हैं।

प्र. 3 उपलब्धता के आधार पर समाचार स्रोत निम्नलिखित तीन प्रकार के होते हैं —

1) प्रत्याशित स्रोत :- 'प्रत्याशित स्रोत' वह हैं जहाँ से या जिनके माध्यम से समाचार मिल[illegible] [illegible] से सहज उपलब्ध हो सके। पुलिस स्टेशन, नगरपालिका, अस्पताल, अदालत, विभिन्न सं[illegible] तथा निगमों की बैठकें, संसद तथा विधानसभाओं के अधिवेशन, पत्रकार सम्मेलन, प्रेस विज्ञ[illegible] इत्यादी समाचारों के प्रत्याशित स्रोत हैं।

पूर्वानुमानित समाचार स्रोत :- वे हैं जिनसे पूर्व अनुमान लगाकर संवाददाता संपर्क करता है और तथ्य तथा समाचार प्राप्त करता है। इनमें संभावना के आधार पर अनुमानित समाचार ग्रहण किए जाते हैं। गंदी बस्तियों, शिक्षण संस्थानों, कल-कारखानों, कार्यालयों के कामकाज की शैली इत्यादि के संबंध में पहले से ही अनुमान लगाकर समाचारों की खोज में निकला जा सकता है।

अप्रत्याशित स्रोत :- वे हैं जो किसी संवाददाता या संपादक को अचानक अप्रत्याशित रूप से उपलब्ध हो जाते हैं। कई बार समाचार पत्र कार्यालय में अचानक टेलीफोन आ जाते हैं और उनके माध्यम से अप्रत्याशित समाचार मिल जाते हैं और उनके माध्यम से अप्रत्याशित समाचार मिल जाते हैं लेकिन ऐसे समाचारों की विश्वसनीयता तथा प्रामाणिकता को परखने के बाद ही समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाता है। इस प्रकार के समाचार प्रायः कम ही प्रकाशित

10 होते हैं क्योंकि इनका कोई ठोस आधार (स्रोत) नहीं होता है।

प्र. 4 कृष्णा नदी में अतिवृष्टि का कहर बरपा है और आसपास के गाँव का भारी मात्रा में नुकसान हो चुका है वृत्तांत लेखन कीजिए।

कृष्णा भारत में बहनेवाली एक (नदी) है। यह पश्चिमी घाट के पर्वत महाबलेश्वर से निकलती है। इसका डेल्टा भारत के सबसे उपजाऊ क्षेत्रों में से एक है। यह मिट्टी का कटाव करने के कारण पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुँचाती है। कावेरी नदी जल विवाद को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच जल विवाद चल रहा है। कृष्णा नदी का संगम बंगाल की खाड़ी है। इस नदी पर दो जलप्रपात बने हुए हैं।

(15)

अमेरिका के न्युयार्क टाइम्स और वॉल स्ट्रीट जनरल ने जब अपने संस्करणों के
समाचारों को डेटाबेस में रखने लगा। तभी से यह माना जाता है कि वेब पत्रकारिता
की शुरुआत हुई। 1983 में अमेरिका का एक न्युजपेपर नाईट राइडर, कुछ लोगों
की मांग पर कंप्युटर पर समाचार और टीवी के कार्यक्रम दिखाने लगा। तब यह
प्रयोग के स्तर पर ही था। 1990 आते-आते सैटेलाइट के प्रयोग से प्रसारण को गति
मिली इसके बाद इसका प्रचार-प्रसार किसी आश्चर्य से कम नहीं है। भारत में इसका
आगमन तकरीबन 1991 के बाद हुआ। कुछ लोगों ने साहसिक प्रयोग किए पर उस
वक्त बड़ी संख्या में उपभोक्ता नहीं थे। भारत में इंटरनेट की उपलब्धता भी
बहुत कम थी और यह सुविधा महंगी थी जो कई स्थानों पर सुलभ भी नहीं
थी तब इंटरनेट की स्पीड भी ज्यादा नहीं थी। ऐसा लगा कि इसके आस्तित्व
पर ही सवाल खड़ा हो जाएगा। कुछ कंपनियों ने अपने खर्चों में कटौती करके
और दुसरे सेवाओं और भरोसेमंद विज्ञापन दाताओं के सहारे जैसे तैसे उस
समय को पार लगाया। वेब पत्रकारिता का भारत में वह आरंभिक स्वरूप था
लेकिन, जैसे-जैसे इंटरनेट और उपभोक्ता बढ़े वैसे-वैसे इसको गति मिलनी
शुरू हो गई। वेब पत्रकारिता में प्रगति तभी आया जब स्थापित अखबारों ने इस
क्षेत्र में कदम बढ़ाया और अपने-अपने समाचार पत्रों को पोर्टल पर डालने लगे।
इस तरह वेब पत्रकारिता एक नए अंश के रूप में सामने आने लगा। विश्व की
बड़ी इंटरनेट सर्विस कंपनियां गुगल और याहू ने भी कदम बढ़ाया और भारत
में हिंदी भाषाओं में अपने-अपने पोर्टल लॉन्च किए तब इस क्षेत्र में क्रांति सी आई।
भारत में वेब जर्नलिज्म का आधुनिक रूप हमको तब देखने को मिला जब 2000 की
शुरुआत हुई। भारत में रीजनल भाषाओं में जो वेब पत्रकारिता का प्रचार प्रसार हुआ है
उसके योगदान को हम कम करके नहीं आंक सकते। तमिल, मलयालम, कन्नड़, बांग्ला
इत्यादि भाषाओं में अखबारों ने जब अपने वेब पोर्टल लॉन्च किए तब पाठकों को एक
नया आयाम विस्तार मिला और भारत के क्षेत्रीय वेब पत्रकारिता को एक नया
आयाम। सूचनाओं को दबाया नहीं जा सकता यह वेब पत्रकारिता की एक खुबी है।

सबसे तेज बने रहने की चुनौती -
अब सोशल मीडिया के इतने दुख है कि कहीं न कहीं से सूचना प्राप्त हो ही जाती है।
आज जबकि हर जानकारी एक क्लिक पर मौजूद है तब अगर वेबसाइट पर खबर नहीं पड़ती तो
फिर पीछे रह जाएंगे। टेलीविजन समाचार की ब्रेकिंग और सबसे पहले रहने की होड़
यहां भी लागू है। आज व्यक्ति कहीं भी और कभी भी अपने हाथ में लिए स्मार्ट

समाचार की सत्य बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि इसमें शामिल की सूचना या जानकारी का कोई स्त्रोत हो और वह स्त्रोत इस तरह की सूचना या जानकारी देने का अधिकार रखता हो और उसमें सामर्थ्य भी हो।

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स, साइन्स अँड कॉमर्स कॉलेज इचलकरंजी में हिंदी दिवस मनाया गया, वृत्तांत लेखन कीजिए।

दिनांक 14 सितंबर 2023 को हमारे विद्यालय में हिंदी दिवस का समारोह मनाया गया। समारोह का आयोजन सुबह 10 बजे से शुरू हुआ था और लगभग दो घंटे तक चला।

समारोह के लिए विद्यालय के कार्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रम तैयार किए गये थे। समारोह का प्रारंभ विद्यालय की पुजा अर्चना से हुआ जिस में सभी शिक्षक और छात्र भाग लिए। इसके बाद विद्यालय के नाट्य शाखा के छात्रो द्वारा हिंदी भाषण और कविता पाठ किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथी डॉ. अंजली उबाले प्रेंडम अग्रवाल थे, जो एक विख्यात हिंदी भाषा विद्वान है। उन्होंने भारतीय संस्कृती और हिंदी भाषा के महत्त्व के बारे में एक ज्ञानदार भाषण दिया वे शिक्षको और छात्रो को उनके प्रयासो के लिए प्रशंसा करते हुए उन्हें अधिक हिंदी भाषा में अभ्यास करने की सलाह देते रहे।

अतिथियों के भाषण के बाद, विद्यालय के नृत्य शाखा के छात्रो द्वारा एक कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया था। समारोह के अंत में, सभी शिक्षको और छात्रो के लिए प्रसाद वितरण किया गया और उन्हे हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दी गई।

इस तरह से, हमारे विद्यालय में हिंदी दिवस का समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

प्र. 5
टिप्पणियाँ लिखिए (3 में से 2)

7+8 = 15

दूरदर्शन पत्रकारिता :- महाभारत में संजय ने धृतराष्ट्र को अपनी दिव्य-दृष्टि से युद्ध का सीधा प्रसारण किया। आज के भौतिकवादी लोग इस प्रसारण पर विश्वास नहीं करते पर, यह तो मानना ही पड़ेगा कि दूरदर्शन, आकाशवाणी के सामर्थ्य रखने वाले जनसंचार के माध्यम का विकास भारत में बहुत पहले हो चुका था।

आज के युग में संचार माध्यम सबसे बड़ा माध्यम है, जिसके द्वारा आज मानवीय संवेदनाएँ एकदम संसार के एक कोने से दूसरे कोने में प्रकट की जाती हैं और भावनाओं के इस समुद्र को उजागर करने में शायद आज का सबसे बड़ा सशक्त माध्यम है दूरदर्शन पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नया आयाम तब जुड़ा जब टेलीविजन का आविष्कार हुआ। दूरदर्शन यानि दूर बैठे किसी दृश्य घटना या वस्तु का हूबहू दर्शन। पहले प्रेस, रेडियो और फिर दूरदर्शन। हर माध्यम की अपनी सीमाएँ हैं जिन्हें कुछ हद तक रेडियो ने दूर किया और धीरे-धीरे पत्रकारिता के क्षेत्र में रेडियो अपना विशेष एवं अलग स्थान बना सका रेडियो के माध्यम से जहाँ एक ओर समाचार को तुरन्त दूर दराज के क्षेत्रों तक पहुँचाने की विशेषता थी वहीं समाचार का संक्षिप्तीकरण, समय की सीमा और सिर्फ समाचार सुनाया जाना और सुनना ही था। इस तरह अपने आप में पूर्ण होकर भी अपूर्ण था। दूरदर्शन से पत्रकारिता में मानो क्रांति आ गई तथा रेडियो पत्रकारिता में लगभग वैसे ही एक मोड़ आ गया जो कभी अखबारों के मार्ग में रेडियो के आविष्कार से आया था। अब श्रवण के साथ-साथ उस घटना, वस्तु, परिस्थिति या क्रम की हूबहू तस्वीर भी भेजी और प्राप्त की जा सकती है। श्रोता दर्शक समाचारों या किसी घटना विशेष की जानकारी और पृष्ठभूमि समझने के लिए श्रवण के साथ दृश्य की सुविधा का लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। रेडियो की कुछ कमियाँ और सीमाएँ दूरदर्शन के आविष्कार से दूर हो गईं।

आज दूरदर्शन प्रतिदिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इसकी लोकप्रियता से ऐसा लगता है कि यह एक दिन संचार के दूसरे माध्यमों को निगल जायेगा। पाश्चिमी देशों में तो दूरदर्शन सुबह के समाचार पत्रों से भी पहले लोगों तक खबरें पहुँचा देता है। विश्व में घट रही घटनाओं की जानकारी एकदम आदमी के सामने साकार पेश हो जाती है, ये मामुली बात नहीं है। समाचार पत्रों की अपेक्षा लोग दूरदर्शन की खबरों पर ज्यादा आश्रित होने लगे हैं।

अप्रैल 1976 को सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय से सम्बद्ध दूरदर्शन के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए गए -

① सामाजिक परिवर्तन में प्रेरक भूमिका निभाना।
② राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन देना।
③ जन-समाज में वैज्ञानिक चेतना जगाना।

④ परिवार कल्याण और जनसंख्या नियन्त्रण के संदेश को प्रसारित करना।
⑤ कृषि उत्पादन प्रोत्साहित कर 'हरित क्रांती' और पशु-पालन को बढ़ावा देकर 'श्वेत क्रांती' के क्षेत्र में प्रेरणा देना।
⑥ पर्यावरण संतुलन बनाये रखना।
⑦ गरीब और वर्गों हेतु सामाजिक कल्याण के उपायों पर बल देना।
⑧ खेल-कूद में रुचि बढ़ाना।
⑨ भारत की कला और सांस्कृतिक गरिमा के प्रति जागरूकता पैदा करना।

भारत में रंगीन दूरदर्शन का सूत्रपात 15 अगस्त, 1982 से हुआ। पहले दूरदर्शन महानगरीय संस्कृति के आभिजात्य वर्ग के मनोरंजन का साधन मात्र था। कक्षा संगीत तथा नाटक का ही प्रदर्शन होता था। सन 1984-85 तक यह माध्यम देश के घर-घर में पहुँच गया। 'नेटवर्क' कार्यक्रमों ने संस्कृति साहित्य, कला एवं जीवनोपयोगी प्रसारणों द्वारा जनता-जनार्दन के मन को आकर्षित किया।

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार " - शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचालित

# दत्ताजीराव कदम आर्टस्, सायन्स ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी.

नैक 'अ' मानांकन प्राप्त

## हिंदी विभाग

## ग्रामीण पत्रकारिता

# प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री./ सु श्री. ऋतिक आनंदा माळगे

ने हिंदी विभाग संचालित 'ग्रामीण पत्रकारिता' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 18-10-2021 से

18-01-2022 तक पूरा किया है । तदर्थ यह प्रमाणपत्र दिया जाता है ।

प्रा. अंजली उबाळे

प्रा. अर्चना तराळ

समन्वयक, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम,
दत्ताजीराव कदम आर्टस्, सायन्स
ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी.

डॉ. सुनिल वेंदे
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
दत्ताजीराव कदम आर्टस्, सायन्स
ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

डॉ. व्ही. एस. ढेकळे
प्राचार्य
दत्ताजीराव कदम आर्टस्, सायन्स
ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापुर संचलित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

हिंदी विभाग (2021-22)

दि. 24/01/2022

## अहवाल

हिंदी विभाग की ओर से बी.ए. भाग 3 के छात्रों के लिए 18/10/2021 से 18/01/2022 हिंदी सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया। इसमें कुल 19 छात्र शामिल थे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विवेकानंद महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. दिपक तुपे जी के कर-कमलों से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.व्ही.एस.ढेकळे जी ने की। कार्यक्रम की प्रस्तावना हिंदी विभाग प्रमुख डॉ.सुनील बेंद्रे जी ने की। हिंदी विभाग की प्रा.अंजली उबाळे जी ने अतिथि परिचय दिया। प्रा. अर्चना तराळ ने आभार माना। कार्यक्रम का संचालन दिपक तुपे जी ने किया।सूत्रसंचालन प्रा. आरती कोळेकर जी ने किया। इस समारोह के लिए प्राध्यापक बंधु-भगिनियों समवेत शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

❖ सफल उद्देश्य:

प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और वेब मीडिया में रोज़गार के तमाम अवसर है,जिससे छात्र अवगत हो गए। आज देश-विदेश तथा प्रदेशों में विभिन्न भाषाओं के दैनिक, पाक्षिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र- पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा है और उनमें भी एक- दुसरे से आगे बढ़ने की होड लगी हुई है। इस प्रतिस्पर्धी की होड में यह कोर्स बी.ए.भाग तीन (हिंदी) के छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी साबित हुआ। छात्रों में लेखन कौशल विकसित हो गया। पत्रकारिता क्षेत्र में करियर चुनने में मदद हो गई और उनके गुणों में निखार आ गया। छात्रों के व्यक्तित्व विकास एवं करियर चुनने की दृष्टि यह कोर्स महत्वपूर्ण रहा,जिसके निम्नलिखित उद्देशों की पूर्ती हो गई ।

1) पत्रकारिता के गूढ़ सिखाए गये
2) छात्र समाचार लेखन की विधि से अवगत हो गए
3) संपादन कार्य से परिचित हो गए
4) छात्रों को पत्रकारिता के संदर्भ में ज्ञान की प्राप्ति हुई
5) छात्र हिंदी भाषा के रोजगारोन्मुख पक्ष से अवगत हो गए।

HEAD,
Department of Hindi,
D.K.A.S.C. College,
Ichalkaranji.